प्रगति ग्रामीण विकास संस्था
बैतूल

वार्षिक रिपोर्ट
1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल

वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2019–2020

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल द्वारा संस्था के कार्यक्षेत्र जिला बैतूल के आमला विकासखण्ड के 05 ग्रामों एवं आदिवासी विकास खंड भीमपुर के 10 ग्रामों में, जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण समुदाय के आपसी सामंजस्य ,परस्पर सहयोग एवं षैक्षणिक,आर्थिक सामाजिक बदलाव एवं विकास में सभी का योगदान होने और गॉव में दलित व आदिवासी समुदाय के साथ भेदभाव व छुआछूत को समाप्त कर इन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देष्य से निम्नलिखित गतिविधियों को क्रियान्वित किया गया ।

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था के कार्यकर्त्ताओं द्वारा सतत् रूप से ग्राम भ्रमण, समुदाय के साथ सम्पर्क ,ग्राम के प्रषासनि कर्मचारियों–सरपंच, सचिव, षिक्षक,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एवं पंच प्रतिनिधियों के साथ सघन सम्पर्क, सामान्य बैठकें एवं प्रषिक्षण के अतिरिक्त समय–समय पर ग्रामवासियों महिलाओं व पंचायत के सदस्यों के साथ बैठकर समूह में विस्तार पूर्वक चर्चा करके समस्याओं के संबंध में जानकारियॉ ली गई तथा उनकी आवष्यकताओं एवं समस्याओं के अनुरूप निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये :–

1.षैक्षणिक कार्यक्रम :

निर्धन, बेसहारा गरीब परिवारो की स्कूली छात्र–छात्रायें को उनकी षिक्षा जिज्ञासा को बढ़ाने व उन्हें कक्षा 12 वी तक षिक्षा के लिये प्रेरणा देने की दिषा में संस्था द्वारा सार्थक कार्य करने का प्रयास किया गया जिससे छात्राओं के जीवन स्तर में सुधार किया जा सके । छात्र–छात्राओं को जीवन कौषल सीखने की आवष्यकता पर समझ विकसित की गई ।

उपलब्धि :–

1. दस ग्रामों में षाला अप्रवेषी कोई छात्र–छात्रा नहीं है ।
2. षिक्षा के प्रति पालको एवं माताओं में रूचि उत्पन्न हुई । मातायें षिक्षा के महत्व को समझने का प्रयास करने लगी ।
3. पालको द्वारा कक्षा 12 तक अध्ययन के प्रति रूचि जागृत हुई ।

4. ग्राम में कम उम्र में बालिकाओं के विवाह नही हुए ।
5. छात्राओं ने सांस्कृतिक व षैक्षणिक विधाओं में पुरस्कार जीतें ।
6. जीवन जीने की कला व अनुषासन सीखने को मिला ।
7. सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रति रूझान बढे ।
8. संबंधिंत षालाओं के षिक्षण व्यवस्था में परिवर्तन आया। षालायें नियमित समय पर लगने लगी है

02 **स्वच्छता कार्यक्रम** :–स्वच्छता कार्यक्रम के माध्यम से 10 गॉव के प्रतिनिधियो को बैठको के माध्यम से स्वयं की स्वच्छता संबंधी आदतों को एवं उसके स्तर में सुधार लाते हुये सम्पूर्ण ग्राम परिवेष की स्वच्छता को बेहतर करने के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया जिससे गंदगी व बीमारी के दुष्चक्र में न फॅस सके । ग्रामवासियों को वर्षाकालीन बीमारियों की सम्भावनाओं और उनके बचाव की जानकारी दी गयी। पानी से होन वाले रोगों के बारे में बताया गया, मच्छर से बचने की सलाह दी गयी। मौसम में बदलाव के साथ साथ अपने साफ सफाई के स्तर में सुधार करने व सावधानियों का पालन करने के लिये कहा गया, जिससे दूषित पानी से होन वाले, मच्छरों, मक्खियों नमी के कीटाणुओं से होने वाले रोगों या बीमारियों से बचाव हो सके। सभी 10 ग्रामों में इन बैठकों में 262 पुरूष व महिलाओं की भागीदारी रही।

उपलब्धियॉ :–

1. बीमारियों में कमी आयी ।
2. स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति ग्रामवासी ध्यान देने लगे ।
3. स्कूली बच्चो के रहन–सहन व सफाई के स्तर में सुधार हुआ है ।
4. गॉव के हैण्डपम्प व कुओं के आस–पास ग्रामवासी सफाई समय –समय पर करते है।

03 **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस :** कार्यक्षेत्र जिला बैतूल,जिला 10 ग्रामों के सभी दलित, अनु जनजाति व अन्य लोगों को पूर्व से सूचित करते हुये दिनांक 8 मार्च, 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। अध्यक्ष व अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती, भारत माता, इन्दिरा गांधी, मातो श्री रमाबाई अम्बेडकर, क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले एवं महारानी लक्ष्मीबाई के छाया चित्रों की पूजा अर्चना की गयी। उपस्थित महिला अतिथियों का सम्मान किया गया, स्कूली छात्राओं की भागीदारी कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर रही एवं उन्होनें रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। महिलाओं को कुर्सी दौड़ आदि खेल खिलाया गया । गाँव में पहली बार हुये महिलाओं के इस सम्मानजनक कार्यक्रम– अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के प्रति उपस्थित सभी महिला पुरूषों व स्कूली छात्राओं में बेहद उत्साह देखा गया, जिन्होनें अपने अपने शब्दों में पूर्णतः महिलाओं से सुसज्जित मंच व कार्यक्रम से स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हुये माँ सरस्वती, भारत माता, सावित्री बाई फुले, रमाबाई, महारानी लक्ष्मीबाई, इन्दिरा गांधी, प्रतिभा देवी पाटिल, सुनीता विलियम्स को यादकर महिलाओं को षिक्षित बनने, समाज, गाँव, जिला प्रदेष व देष में स्वयं को एक छवि के रूप में स्थापित करने, महिला शक्ति को महसूस करने एवं अपने अधिकारों को हक से प्राप्त करने व विकास के पथ पर अग्रसर होने के लिये प्रेरित किया गया । महिला हिंसा, अपराध, महिलाओं के लिये बनाये गये विशेष कानून व अधिकारों के बारे में गहनता से जानकारी देकर भारत की, अपने समाज की सक्षम मार्गदर्षी महिलाओं के बारे में चर्चा कर उन्हें अपने हक की लड़ाई में पुरूष के समान बराबरी पाने व समाज में अपनी पहचान बनाने व अपने अधिकारों को हक के रूप में प्राप्त करने के लिये प्रेरित कर अपनी छात्राओं को एक बेहतर वातावरण प्रदान करने के लिये प्रेरित किया गया।

उपलब्धियॉ :–

1. महिलाएँ अपने हक व अधिकारो के बारे में जागृत हुई ।

2. कम उम्र की बालिकाओं के विवाह पर रोक लगी ।
3. बालिका षिक्षा को बढावा मिला ।
4. गर्भ में लिंग जॉच जैसी कोई भी घटना या भ्रुण हत्या जैसा कृत्य नही हुआ है।
5. घरेलु हिंसा के प्रति समझ विकसित हुई ।

4.किषोरी बालिका जागरूकता कार्यक्रम :

दस ग्रामों किषोरी युवतियों को स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत 40 किषोरियों एवं उनकी माताओं की उपस्थिति में किषोरियों को जेण्डर क्या है ? प्राकृतिक एवं सामाजिक जेण्ड के भेद विभिन्न अवसरों पर लड़के लड़कियों में सामाजिक भेद किया जाना, अभ्यास गतिविधि के माध्यम से समझाया गया एवं कुपोषण की शुरूआत, प्रभाव, किषोरी अवस्था में स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल, खानपान, पूरक पोषण आहर, मासिक धर्म के समय बरतनेवाली सावधानियाँ, 18 वर्ष से पूर्व विवाह न करना, 18 वर्ष तक की आयु तक लड़की व लड़कों के शरीर में होने वाले शारीरिक बदलाव व बदलते हार्मोन्स के प्रभाव के बारे में बताया गया जीवन में षिक्षा की महत्ता व समानता के अधिकार को पाने की प्रेरणावर्धक चर्चा को मुद्दा बनाकर किषोरियों के अनुभव को जानने का प्रयास किया गया। एच.आई.वी. एड्स के बारे में जानकारी देने का प्रयास किया गया।

उपलब्धियॉ :–

1. किषोरी बालिकाओं में विवाह की उम्र को लेकर चिंता जागृत हुई हैं।
2. कम उम्र की बालिकाओं के विवाह पर रोक लगी ।
3. बालिका षिक्षा को बढावा मिला ।
4. परिवार मे लड़कियो के स्वास्थ्य षिक्षा व खान –पान पर ध्यान दिया जाने लगा है।
5. किषोरी बालिकाओं में अपने अधिकारो के बारे में जागृति आयी ।

5.स्वास्थ्य कार्यक्रम :–

1. स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से 10 गॉव के प्रतिनिधियो को बैठको के माध्यम से स्वयं की स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया जिससे गंदगी व बीमारी के दुष्चक्र में न

फॅस सके । सभी छात्र – छात्राओं को बेहतर स्वास्थ्य की ओर व उनके उत्तम स्वास्थ्य, पूरक पोषण आहार, टीकाकरण आदि का बेहतर प्रयास कर छात्राओं को आवष्यक दवायें व सुझाव कार्यकर्ता के द्वारा दिये गये। प्रतिदिन सुबह उठने के बाद में वह अपने दातों की सफाई अच्छी तरह से करें जिससे दांत साफ होगें तो उन्हें दातों संबंधी किसी भी प्रकार परेषानी का सामना नही करना पड़ेगा। सभी छात्राओं को बताया कि ठण्ड के मौसम में सुबह जल्दी उठकर थोड़ा टहलने जायें। जिससे स्वास्थ्य हमेषा अच्छा रहता है।

ठण्डी के दिनो में घुमने से हमें किसी प्रकार की बीमारी का सामना नही करना पड़ता है। नाखूनों की सफाई समय–समय पर करते रहना चाहिए। ताजे बने भोजन का उपभोग करे यदि भोजन विषेष प्रकार बदबू आ रही हो तो उस भोजन का सेवन न करें। तेज धूप और गर्मी में से आने के तुरन्त बाद में पानी न पिये थोडे समय रूके उसके बाद में पानी पिये। तेज धूप में निकलने पहले सिर पर कोई रूमाल जैसा कपड़ा अवष्य लपेटे जिससे आप तेज धूप से बच सकेंगे। फल का सेवन करे। हरी और पत्तेदारी सब्जी को अपने भोजन में अवष्य शामिल करें।

उपलब्धियॉ :–

1- बीमारियों में कमी आयी ।

2- स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति ग्रामवासी ध्यान देने लगे ।

3- स्कूली बच्चो के रहन–सहन व सफाई के स्तर में सुधार हुआ है ।

4- आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ ।

5.शासकीय कार्यालयों से सम्पर्क : कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों की सूचना ष्षासकीय कार्यालयो को दी गई एवं शालेय षिक्षकों से अनुमति हेतु विभिन्न शासकीय कार्यालयों से सम्पर्क स्थापित किया गया ।

प्रमोद नाईक
सचिव
प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल